*भाकृअनुप - राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक 753 006*

*कृषि सलाहकार सेवा*

*अगस्त 2024 के द्वितीय पखवाड़े की रणनीतियाँ*

*प्रतिरोपित धान*

- *अगस्त के दूसरे पखवाड़े तक धान की रोपाई पूरी कर लेनी चाहिए।*
- *अधिक उपज देने वाली किस्मों के लिए, अंतिम बार कीचड़दार करने के समय आधारी मात्रा के रूप में 35 किग्रा डीएपी + 27 किग्रा एमओपी या 18 किग्रा यूरिया +100 किग्रा एसएसपी + 35 किग्रा एमओपी डालें। रेतीली मिट्टी में, 35 किग्रा डीएपी और 13.5 किग्रा एमओपी या 18 किग्रा यूरिया + 100 किग्रा एसएसपी + 13.5 किग्रा एमओपी डालें।*
- *संकर किस्मों के लिए, खेत को अंतिम बार कीचड़दार के समय आधारी मात्रा के रूप में 53 किग्रा डीएपी +27 किग्रा एमओपी या 26 किग्रा यूरिया +150 किग्रा एसएसपी + 30 किग्रा एमओपी डालें।*
- *जिंक की कमी वाले क्षेत्रों में अंतिम भूमि की तैयारी के समय जिंक सल्फेट 10 किग्रा / एकड़ दर से या जिंक-ईडीटीए 6 किग्रा/एकड़ की दर से (दो साल में एक बार) डालें।*
- *बोरॉन की कमी वाली मिट्टी में, अंतिम भूमि की तैयारी के समय 2 किलो प्रति एकड़ की दर से बोरेक्स डालें।*
- *25-30 दिनो वाली पौध की रोपाई 20x15 सेमी की दूरी पर उथली गहराई पर करनी चाहिए, अधिक उपज देने वाली किस्मों के लिए प्रति पूंजा 2-3 पौध का प्रयोग करें। संकरों के लिए प्रति पूंजा केवल 1-2 पौध का प्रयोग करें।*
- *विलंब में रोपाई के लिए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे शीघ्र या मध्यम शीघ्र पकने वाली किस्मों के 25-30 दिनों वाली और लंबी अवधि की किस्मों के 45-50 दिनों वाली पौधों का उपयोग करें। पुरानी पौध को कीचड़दार खेत में उथली गहराई पर 15 x15 सेमी की दूरी पर और 4-5 पौध प्रति पूंजा पर रोपें।*
- *रोपाई के बाद खरपतवार नियंत्रण के लिए 5-10 दिनों के भीतर दानेदार शाकनाशी बेनसल्फ्यूरॉन मिथाइल 0.6% + प्रीटिलाक्लोर 6% जीआर 4 किग्रा/एकड़ की दर से 4 किग्रा रेत के साथ मिलाकर या बिसपायरीबैक सोडियम 10% एससी 120 मिली / एकड़ की दर से 16 लीटर क्षमता के 8 टैंकों में डालें। खरपतवार के उभरने के 8-10 दिनों के बाद (या जब खरपतवार 2-3 पत्ती अवस्था में हों) छिड़काव या रोपाई करने के 15-20 दिन बाद तैयार मिक्स पेनॉक्सुलम + साइहालोफॉप ब्यूटाइल (विवाया) 900 मिली/एकड़ की दर से या रोपाई के 15-20 दिन बाद टैंक मिक्स फेनोक्साप्रोप-पी-एथिल + एथोक्सीसल्फ्यूरॉन (राइस स्टार + सनराइज) 240+50 ग्राम प्रति एकड़ की दर से 16 लीटर क्षमता वाले स्प्रेयर के 8 टैंकों में छिड़काव करें।*
- *शीघ्र रोपाई की गई धान में यदि थ्रिप्स की समस्या देखी जाती है, तो किसान नीम के बीज की गिरी आधारित कीटनाशक जैसे कि अज़ाडिराक्टिन 0.15% 1 लीटर/एकड़ की दर से या लैम्बडासाइहालोथ्रिन 5% ईसी 100 मिली/एकड़ की दर से या थियामेथोक्सम 25% डब्ल्यूजी 40 ग्राम/एकड़ की दर से 200 लीटर पानी में छिड़काव कर सकते हैं।*
- *भूरा पौध माहू (बीपीएच) आक्रांत क्षेत्रों में, प्रत्येक 8-10 पंक्तियों की रोपाई बाद एक पंक्ति छोड़ दें।*

- *भूरा पौध माहू वाले स्थानिक क्षेत्रों में, रोपाई की प्रत्येक 8-10 पंक्तियों के बाद एक पंक्ति को छोड़ कर रोपें।*
- *तना छेदक आक्रांत वाले क्षेत्रों में, अंडा परजीवी ट्राइकोग्रामा जैपोनिकम 50000 अंडे/एकड़ (३ कार्ड/एकड़) साप्ताहिक अंतराल पर तब तक छोड़ें जब तक कि कीटों की संख्या अधिक न दिखाई दे।*
- *तना छेदक, पत्ती फोल्डर और अन्य वयस्क कीटों को आकर्षित करने और उन्हें मारने के लिए 1/एकड़ की दर से प्रकाश जाल लगाएं।*
- *तना छेदक और पत्ता मोड़क फोल्डर के संक्रमण की निगरानी के लिए 3 फेरोमोन ट्रैप/एकड़ रखें। जब भी नर कीट/जाल की संख्या 4 या 5 तक पहुँच जाए, तो अजाडिरक्टिन 0.15% ईसी 800 मिली/एकड़ दर पर या क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 4% जीआर 4 किग्रा/एकड़ 1:1 के अनुपात में रेत के साथ मिलाकर या क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 18.5% एससी 60 मिली/एकड़ 200 लीटर पानी दर पर या कार्टेप हाइड्रोक्लोराइड 4जी 10 किग्रा/एकड़ दर पर या फ्लूबेनडियामाइड 20 डब्ल्यूजी 50 ग्राम/एकड़ 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।*
- *जब भी दो मुड़ी हुई पत्तियां/पूंजा दिखाई दें तो पत्ता मोड़क को नियंत्रित करने के लिए क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 18.5% एससी 60 मिली/एकड़ दर पर या फ्लूबेंडियामाइड 20 डब्ल्यूजी 50 ग्राम/एकड़ या, करटाप हाइड्रोक्लोराइड 50 डब्ल्यूपी 400 ग्राम/एकड़ दर से या टेट्रानिपोल 200 ईसी 100-120 मिली/एकड़ 200 लीटर दर से पानी मिलाकर छिड़काव करें।*
- *एक ही खेत से अलग किए गए अधिक दिनों वाली पौधों या क्लोन पौधों को 33 पौधे प्रति पूंजा प्रति वर्गमीटर की दर पर खाली स्थान को भरें।*
- *जिंक की कमी वाली मिट्टी में, यदि अंतिम भूमि की तैयारी के दौरान जिंक सल्फेट (ZnSO4) प्रयोग नहीं किया गया है, तो धान की रोपाई के 30 और 45 दिनों के बाद Zn-EDTA 0.5 ग्राम /1 लीटर पानी की दर से छिड़काव करें या खेत में जिंक की कमी के लक्षण दिखाई देने पर 15 दिनों के अंतराल पर तीन बार 0.5% ZnSO4 घोल (2 का छिड़काव करें) किलो ZnSO4 +10 किलो चूना 400 लीटर पानी में एक एकड़ में) छिड़काव करें।*
- *यदि दौजी निकलने की अवस्था में आच्छद अंगमारी प्रकोप देखा जाता है, तो टेबुकोनाज़ोल 50% + ट्राइफ्लॉक्सीस्ट्रोबिन 25% डब्ल्यूजी 0.4 ग्राम या प्रोपिकोनाजोल 75% 1 मिली प्रति लीटर पानी दर पर या हैक्साकोनाजोल 50% 2 मिली प्रति लीटर पानी दर पर या वालिडामाइसिन 3 एल 2 मिली/लीटर दर पर छिड़काव करें। इस छिड़काव को 7-10 दिनों के अंतराल पर दोहराएं। एक एकड़ क्षेत्र के लिए 200 लीटर घोल का प्रयोग करें।*
- *जीवाणुज अंगमारी /जीवाणुज पत्ता अंगमारी होने की स्थिति में, प्लांटोमाइसिन 1 ग्राम / लीटर दर पर एवं इसके साथ कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 1 ग्राम / लीटर पानी में 200 लीटर पानी प्रति एकड़ की दर से प्रयोग करें।*
- *यदि पत्ता प्रध्वंस देखा जाता है, तो टेबुकोनाज़ोल 50% + ट्राइफ्लॉक्सीस्ट्रोबिन 25% डब्ल्यूजी 0.4 ग्राम या रोग को नियंत्रित करने के लिए कार्बेन्डाजिम 50 डब्लयूपी 2 ग्राम/लीटर पानी में मिलाकर प्रयोग किया जा सकता है अन्यथा, बेल (25 ग्राम ताजी पत्तियां) या तुलसी (25 ग्राम ताजी पत्तियां) या नीम (200 ग्राम ताजी पत्तियां) के पत्तों के निचोड़ को प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करने से रोग की प्रकोप को कम करने में मदद मिल सकती है।*

*शुष्क सीधी बुआई धान*

- *अर्ध-गहरे/गहरे पानी वाले क्षेत्रों में, जहां सीधी बुवाई की गई है और खरपतवार नियंत्रण के लिए शाकनाशी का उपयोग नहीं किया गया है, खेत में पर्याप्त पानी (कम से कम 7-10 सेमी खड़ा पानी) जमा होने के बाद 'बेउशनिंग' किया जा सकता है। 'बेउशनिंग' के बाद 18 किलो यूरिया/एकड़ टॉप ड्रेसिंग के रूप में डालें।*
- *वर्षाश्रित उथली निचलीभूमि क्षेत्रों में जहां सीधी बुआई की जा चुकी है और खरपतवारों के नियंत्रण के लिए शाकनाशियों की प्रयोग नहीं किया गया है, पानी (कम से कम 7-10 सेमी खड़े पानी) जमा होने के बाद 'बेउशनिंग' किया जा सकता है। 'बेउशनिंग' के बाद 36 किलो यूरिया/एकड़ टॉप ड्रेसिंग के रूप में डालें।*
- *सीधे बीज वाले धान में जहां खरपतवारों को नियंत्रित करने के लिए शाकनाशी का उपयोग किया गया है, अधिकतम जुताई के चरण में दूसरी शीर्ष ड्रेसिंग के रूप में 18 किग्रा यूरिया/ एकड़ डालें। शीघ्र उपरीभूमि किस्मों में बालियां निकलने पर 18 किग्रा यूरिया/एकड़ डालें।*
- *भूरे धब्बे होने की स्थिति में, प्रोपिकोनाज़ोल 25 ईसी 1 मिली दर से या मैनकोज़ेब 75 डब्ल्यूपी या कार्बेन्डाजिम 50 डब्ल्यूपी 2 ग्राम पानी या कार्बेन्डाजिम 64% + मैनकोज़ेब 8% 75 डब्ल्यूपी 1.5 ग्राम दर से प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें।*
- *सीधे बीज वाले धान में पीले तना छेदक, लीफ फोल्डर, बैक्टीरियल ब्लाइट, शीथ ब्लाइट को नियंत्रित करने के लिए रोपित चावल के लिए उल्लिखित सिफारिशों का पालन करें।*
- *किसानों को सलाह दी जाती है कि वे धान की फसल के सभी पहलुओं की जानकारी प्राप्त करने के लिए एनआरआरआई द्वारा विकसित राइसएक्सपर्ट मोबाइल ऐप (गूगल प्ले स्टोर में उपलब्ध) को डाउनलोड करें और उसका उपयोग करें।*